



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 287335

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Bharti Sahu

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

27/Aug/2023

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre Thande wala
Bhai jog School

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

Arjun

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा मंदा लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस खण्ड में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉर्पोरेट गवर्नेंस से तात्पर्य है कॉर्पोरेट शासन में नैतिक मूल्यों, मानकों व भावना का उपयोग कर शेयरधारक, प्रशासक व जनता सभी के हित के लिए कार्य करना।

ESG - पर्यावरणीय, सामाजिक व गवर्नेंस एक बहुआयामी दृष्टिकोण जिसमें पर्यावरण, समाज व शासन सभी के उच्च नैतिक मूल्यों, भावना का उपयोग किया जाता।

(कॉर्पोरेट गवर्नेंस + ESG - आवश्यकता)

↳ परियोजनाओं से पर्यावरणीय संरक्षण के लिए।

उदा:- कंपनी द्वारा परियोजना विकास से पूर्व प्रभावी पर्यावरण आकलन।

↳ मानवीय हितों को सर्वोपरि रखने के लिए

↳ उदा:- कंपनी के प्रोडक्ट से मानवीय स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव न हो।
जैसे- जॉन्सन के प्रोडक्ट

↳ कंपनी के सुचारु शासन व्यवस्था संचालन के लिए।

कापोरेट गवर्नेंस बहुरूप एकीकरण के लाभ

कंपनी	हितधारक/ शेयरधारक	सरकार	जनता/ अन्य
↓	↓	↓	↓
• CSR प्रेमार्थ लागू करने में आसानी। • कंपनी विश्वसनीयता में वृद्धि।	• <u>इच्छित लाभार्थ वितरण</u> • कार्यस्थल पर शोषण नहीं	• राजस्व <u>दीर्घ</u> (कम प्रवृत्ति नहीं) • पर्यावरण <u>सामाजिक</u> विकास	• मानव/उपभोक्ता हितों की सुरक्षा • पर्यावरण संरक्षण

कापोरेट गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए ईडए मानक के साथ नाइलॉयडि समिति की सिफारिशों को भी लागू किया जाये।

1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्त देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्त देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words)

10

$$\text{મુદ્રાચાર} = \text{વિવેકાધિકાર} + \text{પ્રમાાધિકાર} - \text{અતિભેદાદિત્યા}$$

जिसी सार्वजनिक पद ^{सेवा} का अपने निजी हित (आर्थिक, सामाजिक, धन) के लिए दुरुपयोग करना अस्यचार कहलाता है।

भ्रष्टाचार का मुख्य कारण मिलीभगत से
संचालित भ्रष्टाचार है जिसके वदत -

$\frac{\text{आपूर्ति}}{\downarrow}$ पक्ष

 $\frac{\text{मांग}}{\downarrow}$ पक्ष

भ्रष्टाचार की उत्पत्ति
उत्पन्न करने के
लिए राजीमदार

म्रह्मचार में
सालिख सुख्य
दोषी ।

• कभी स्वेच्छा से
तो कभी जबरन
रिक्त देने के
रिक्त

• मूलतः स्मृत
भाचरण कारण
रिक्त लेते।

मिलीभगत

रिक्त देने वाला व लेने वाला दोनों
दोषी हैं —

↳ राजनेता, लोकसेवक, अपराधी
स्मृत गढ़ने।

↳ कोनी कापेजेलिज्म।

↳ लाल पीताराही।

(संस्थाओं के लिए चुनौती) —

↳ दोषी किसे माना जाया इसमें संका।

↳ आपूर्ति पत्र द्वारा स्वेच्छा से देने पर
मानून कार्यवाही में बाधा।

↳ भ्रष्टाचार का प्रदुषण नहीं हो पाता।

उपर्युक्त चुनौतियों से निपटने हेतु

द्वितीय पुरासमिति सुधार आयोग व
संयानम समिति की अनुसंधानों पर
अमल दिया जाये।

2. (a)

नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

10

नागरिक चार्टर, जनता को सार्वजनिक सेवाओं को समयबद्ध व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से प्रदान करने की सरकार की लिखित प्रतिबद्धता है।

नागरिक चार्टर विशेषताएं

- ↳ 6 मानक पर आधारित जिनमें गुणवत्ता, आकलन इत्यादि प्रमुख।
- ↳ जनता को शासन से जोड़ने में सहायक।
- ↳ शासन में पारदर्शिता बनाये रखने में सहायक।
- ↳ नागरिकों को कल्याणकारी कार्यों का लाभ सुनिश्चित करती।

कार्यान्तर्यन में चुनौतियां —

उम्मीदवारों को इस हद्दिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- ↳ शासन, प्रशासन की अभिजातीय संस्कृति - जिससे कारण कार्यान्तर्यन त बाध करने में बाधा।
- ↳ राजनेता - लोकसेवक ब्रह्म गहनोड़।
- ↳ जनता में जागरूकता का अभाव।
- ↳ बाध करने के लिए नियामक व विनियम सहायगत अभाव।

उपाय

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग अनुशंसक लागू करना

लोकतांत्रिक मूल्यों आधारों का अनुपालन सुनिश्चित करना

जनता की जागरूक करना व शासन प्रशासनिक प्रतिक्रिया से अवगत करना

प्रशासन की स्थापना के लिए नागरिक चौकण पत्र का उचित क्रियान्वयन समय की आवश्यकता है।

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस शीट में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सार्वजनिक सेवा वितरण से आशय है वर्ग, धर्म, जाति, लिंग भेद से परे सार्वजनिक सेवाओं की निःशुल्क वितरण। विशेषकर कमजोर वर्गों के पक्ष में।

उदाहरण:- सार्वजनिक वितरण सेवा उणाली द्वारा प्याथान्न वितरण।

सार्वजनिक सेवा वितरण विरोधताएं

कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए -

↳ भारत में लगभग 22.8 करोड़ लोग बुझायामी शरीर में रहते हैं। ऐसे में

सार्वजनिक वितरण के द्वारा इनके
जीवन को बेहतर

खाद्य उपलब्धता
सुनिश्चित
कर

↓
PDS, मध्याह्न
भोजन योजना

आवास,
रोजगार
इत्यादि

↓
पीएम मावात,
मनरेगा।

शिक्षा,
स्वास्थ्य
आदि

↓
शिक्षा नीति,
माधुस्मान
योजना

कमियाँ

↳ शासन, प्रशासन की भाषी जातीय
संस्कृति जिससे बसे लागू करने में
असंवेदनशीलता।

↳ जनता में जागरूकता का अभाव, अपनी
मोर्गा का उठाने का सामर्थ्य नहीं।

↳ शासन की तटस्थता, भ्रष्टाचार, लिबर
इत्यादि।

सतत विकास लक्ष्य 2030, समावेशी
विकास की प्राप्ति के लिए आवश्यक है
कि सार्वजनिक सेवा वितरण की अचूक क्रियारूप
किया जाये।

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words)

10

लाओत्से का यह कथन इस संदर्भ में है कि 'ज्ञान बांटने से कम नहीं होता' बल्कि और अधिक बढ़ता है।'

उपरोक्त कथन के धारकों में कहा जा सकता है कि कोई व्यक्ति अपने ज्ञान को जितना अधिक दूसरों के साथ बांटता है, वह उतना ही अधिक उससे सीखता है, अनुभव करता है। यही एक बुद्धिमान व्यक्ति का लक्षण है।

उदाहरण के लिए महात्मा बुद्ध को जब ज्ञान की प्राप्ति हुई तो उन्होंने मोक्ष प्राप्त करने के स्थान पर पहले अपने अनुयायियों को शिक्षा दी। उनके द्वारा इसका प्रसार

कराया। इसका परिणाम तब तेजागत
कहालाये और सान बढ़ता गया।

तहीं एउ मूर्ख व्यक्ति योड़ा सा
सान प्राप्त हो जाने पर उसे अपने
तक सीप्रेत रखता है। किसी को बताने पर
वह उसे अपने सान की कमी मानता है।

ऐसा व्यक्ति मुक्तिबोध की कविता
ब्रह्मरास के नायक के समान उपमैडूठ

होता है और न तो अपने सान को
साचीत कर पाता और न ही दूसरों के
अनुभवों से कुछ सीख पाता है।

स्वामी विवेकानंद, मधुल
कलाम इत्यादि कई आदर्श इस उक्ति
को सही सिद्ध करते प्रतीत होते हैं।

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"
- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को
इस कृपिय में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

10

भगवद् गीता में कृष्ण ने कहा है

जैसे तरह का आचरण महान व्यक्ति,
करता है सामान्य व्यक्ति भी उसी का
अनुसरण करता है।

इसी संदर्भ में रॉबर्ट नॉयस
की यह उक्ति भी सही प्रतीत होती है
जिसे निम्न संदर्भों में समझा जा सकता है-

यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता -

ईमानदारी पर धरिता सत्यनिष्ठा उत्तरदायित्व
इत्यादि मूल्यों का अभाव है।

उदाहरण के लिए किसी संगठन के
सीईओ व अन्य उच्च स्तरीय व्यक्ति
द्वारा भ्रष्टाचार या संगीन अपराध
किया जाता है तो इसका प्रभाव -

संगठन पर उच्च स्तर से निम्न
स्तर तक अनुसरण में दिखेगा —

उच्च स्तरीय / सीरिओ / भ्रष्टाचार
अल्प प्रभाव

↓
मध्यम स्तर - प्रशासक व अन्य।

↓
निम्न स्तर - कर्मचारी - छोटे मोटी रिश्तत
लेना।

(संगठन पर पुभाव)

↓ विश्वसनीयता ↓ जनता ↓ कार्यसंस्कृति
में कमी हित पुभावित
पुभावित

इसी प्रकार इस अवस्था को
सामान्य जीवन के संदर्भ में भी देखा जा
सकता है। अगर घर में बुजुर्ग या बड़े
व्यक्ति द्वारा जिस तरह का आचरण
किया जाता है वही व्यवहार छोटे बच्चे
अपने जीवन में करते हैं। उदा:- जाति
विरोधी मानसिकता।

3. (c)

"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke
(Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हार्जिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

जॉन लॉक की उपर्युक्त उक्ति को
इस संदर्भ में समझा जा सकता है
'कानून के बिना स्वतंत्रता लंगड़ी है,
स्वतंत्रता के बिना कानून अंधा है।'

कानून और स्वतंत्रता दोनों
में समन्वय ही एक दूसरे के सुझाव
संचालन में आवश्यक है।

कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त
या सीमित करना नहीं -

6. उदाहरण के लिए भारतीय संवैधानिक
कानून में मौलिक अधिकार तहत अनुच्छेद
19 से 22 तक स्वतंत्रता का अधिकार दिया
गया है।

परन्तु इसमें किसी भी
प्रति की स्वतंत्रता को दूसरे के सापेक्ष

दिया जाता है अर्थात् एक की स्वतंत्रता
दूसरे के अधिकारों की स्वतंत्रता का
अतिक्रमण न करे।

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
बाह्य
Candidates
must not
write on
this margin

(स्वतंत्रता को संरक्षित करने में कानून)

कानून के द्वारा ही किसी व्यक्तित्व
की विचार, आभिव्यक्ति, आतागमन, भविष्य
चुनने
इत्यादि की स्वतंत्रता को संरक्षित दिया
जाता है।

उदाहरण के लिए अनुच्छेद 19 के तहत
कली में विचारण व आवास की स्वतंत्रता।

परन्तु उपर्युक्त का दूसरा पक्ष भी
है जिसमें कानून द्वारा स्वतंत्रता को
सीमित किया जाता है। जैसे - राजद्रोह
कानून।

अतः कानून का व्यापक उद्देश्य
स्वतंत्रता को संरक्षित करना ही होता है
सार्वजनिक हितों को ध्यान में रखते हुए।

4. (a)

दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में मर्क जुर्गुबर्ग ने अपनी आधी से अधिक संपत्ति दान देने की घोषणा की। इसके भवितवि स्तन टाटा, जोस वेसोफ इत्यादि ने भी इस तरह की घोषणाएं की।

इस तरह कदम से लाभ -

↳ सामाजिक विकास की दृष्टि में सराहनीय कदम होगा क्योंकि -

शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार आवास अन्य इत्यादि मूलभूत आवश्यकता पूर्ति।

↳ सरकार के राजस्व बोझ / व्यय को कम करने में सहायता। जिससे वह अन्य आवश्यक परियोजनाओं पर

ध्यान केंद्रित कर सकता है।

↳ CSR फंडिंग के साथ दान संपत्ति के द्वारा समाजिक, पर्यावरणीय विकास की नहीं दिखा जात।

↳ सांक्राफिक - आर्थिक विषमता समाप्त करने में सहायक।

उपयुक्त कदम मपयात ब्योगी -

↳ ऑक्सफैम रिपोर्ट के अनुसार बीई 11 जनसंख्या के पास 77% संपत्ति संपादित है

↳ अन्य उपायों की आवश्यकता -
सरकारी उपास + NDO + CSR +
संपत्ति परोपकार = सर्वोदय

भांजीजी के 'ट्रस्टीरीज सिस्टम'

के अनुरूप उपयुक्त उपास आवश्यक है।

4. (b)

चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक अनौत्प्रेक्षित हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस छवि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव के समान मशीनों में सोचने, समझने, निर्णय लेने की क्षमता विकसित होना है।

बदलते वैश्व परिदृश्य, माँद्योगिक क्रांति 4.0, उभरती प्रौद्योगिकी में AI का उपयोग बढ़ रहा है। जिसके कारण निम्न चुनौतियाँ देखी जा सकती हैं -

निष्पक्षता संबंधी चिंता -

AI द्वारा पक्षपातपूर्ण व्यवहार उन लोगों के पक्ष में होगा जो इसका उपयोग करना जानते हैं।

निरक्षर, असुख व्यक्ति के साथ निष्पक्षता पूर्ण व्यवहार एक असुख

चिंता का विषय है।

उदा:- वृत्तन देने में AI उपयोग।

पारदर्शिता संबंधी चिंताएँ -

AI द्वारा लिखे गये निर्णय अपारदर्शी
होंगे क्योंकि डिजिटल निरक्षरता, उच्च प्रौद्योगिकी
तुल्यता अभाव जैसी समस्याएं
विद्यमान।

उदा:- शीर्ष संगठन द्वारा किसी नीति
को क्रियान्वित करने में।

नौकरी की सुरक्षा संबंधी चिंताएँ -

AI द्वारा मानव क्षम को प्रतिस्थापित
किया जा सकता है। अतुरात मानव
बेरोजगारी की श्रेष्ठ अवस्था में।

उदा. उद्योगों में रोबोटिक्स का उपयोग।

उपर्युक्त चिंताओं के समाधान के
लिए AI में नैतिक मूल्यों का समावेश
किया जाना चाहिए व सभी के लिए
हितकारी के लिए 'AI फॉर गूड' पहल
लागू करना चाहिए।

5. (a)

शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'श्रीश्री सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है बल्कि अपने विचारों, भावों का उचित नियंत्रण करने, नैतिक मूल्यों आदर्शों का अनुपालन करने से संबंधित है।'
- स्वामी विवेकानंद

उपर्युक्त के परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद सरस्वती के मूल्यों का समकालीन संदर्भ में मूल्यांकन -

श्रीश्री संबंधी विचार -

- सभी को समान शिक्षा का अधिकार बिना किसी विंग, भेद, जाति भेद के।
- शिक्षा में पारंपारिक, सांस्कृतिक व नैतिक आदर्शों का सामवेत है।

समकालीन भारत में → श्रीश्री को जोसाहित करने
→ सबसे नामांकन अनुपात बढ़ने

↳ ड्रॉप आउट रेट कम करने में सहायक।

सामाजिक समानता संबंधी विचार -

- कर्म आधारित वर्ग भेद को स्वीकारा
- जातिवाद के स्थान पर सामाजिक-जातिगत एकता पर बल दिया।

समकालीन भारत में - निम्न जाति, SC/ST समुदाय को समाज के मुख्य धारा में लाने में सहायक।

मैथिक मूल्यों संबंधी विचार -

- ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा जैसे मैथिक मूल्यों पर बल दिया।

समकालीन भारत में - अपमर्श को कम करने सामाजिक सौहार्द, बंधुत्व, भूल्यचार अभाव श्रद्धा के लिए आसंगिक।

'आर्य समाज की स्थापना' दयानंद

सरस्वती द्वारा उपयुक्त मूल्यों के प्रचार प्रसार के लिए की गई थी।

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण

Dedication to public service

- ऐसी मनःस्थिति जिसमें पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाता है।
- उच्च नैतिक मूल्य हैं।

महत्व - गरीबों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए शासन में जनता की भागीदारी बढ़ाने के लिए कलेक्टर आर्म स्ट्रांग द्वारा सोशल मीरिया अंड से चयन बनवाना।

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात

Non-partisanship in civil service

बिना किसी पक्षपात (वर्ग, लिंग, धर्म) के निर्णय लेना।

महत्व - सभी वर्गों का उत्थान करने। शासन में पारदर्शिता लाने में सहायक। राजनीति दखल बंद करने में सहायक।

उदा: - कलेक्टर अक्रोड खेलका द्वारा कई बार स्थानतन्त्र का स्वीकार करना।

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता

Objectivity in decision-making

वस्तुनिष्ठता, विषय संबंधित पूर्वाग्रह के स्थान पर तर्क, चिंतन प्रमाण द्वारा निर्णय लेना।

महत्व - कल्याणकारी योजनाओं का उचित विफलता पारदर्शी तरीके से नियुक्ति करने में।

उदा: - टी. एन. बोषन द्वारा चुनाव लड़ना।

उम्मीदवारों को इस हानि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- (iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

सहिष्णुता, अपने से विपरीत धर्म, मत, विचार
आमिष्यक्ति को स्वीकार करना है।

महत्व - सामानिक-धार्मिक सद्भाव, सौहार्दबन्धन
सभी धर्मों, वर्ग का कल्याण सुनिश्चित
करने।

उदा: - महात्मा गांधी जी की स्वतंत्रता संग्राम
की रणनीतियां त मूल्य - सौहार्द, सहिष्णुता।

- (v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

करुणा, दूसरों के दुःखों को देखकर स्वयं
उसकी अनुभूति करना व उसे दूर करने के
प्रयास करना।

महत्व -> वंचित वर्गों के कल्याण हेतु।
-> सामानिक आर्थिक न्याय, विकास हेतु।
-> वंचितों को समाज की मुख्य धारा
में लाने हेतु।

उदाहरण - महार टैरिमा द्वारा दीन डाकियों
की सहायता।
-> आईएसएम बंकरन द्वारा बंधुमा मजदूरी
समाप्ति।

उम्मीदवारों को
इस क्षण में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्डिंग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सेलोवी व मैयर के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य है अपने, दूसरे के विचारों, भावों को समझने उनका उचित सदुपयोग, प्रबंधन व नियंत्रण करने से है।

EI चार - डोमैन में अनुभाज -

स्व जागरूकता भाव स्व सामान्यता सादृश्य
प्रेरणा नियंत्रण कौशल

[- EI केवल भावनाओं से संबंधित नहीं -]

↳ EI के द्वारा भावनाओं का उचित प्रबंधन के साथ ही अन्य कार्य भी -

- यह स्व जागरूकता द्वारा व्यक्ति द्वारा किये जा रहे गलत कार्यों से अवगत कराती, चेतावनी देती।
- भाव प्रेरणा द्वारा विपरीत

परिस्थितियों में भी धैर्य के साथ कार्य करने व तनाव प्रबंधन में सहायता करती।

- आत्म नियंत्रण के द्वारा बोलचाल में भावपूर्णता से बचाती जैसे- श्लाघा, अन्य अपराध इत्यादि।

- समानुभूति के द्वारा व्यक्तिगत व पेशेवर जीवन से संबंधित विभिन्न परिस्थितियों के हितों को पूरा किया जा सकता।

- सामाजिक कौशल व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण। इसके द्वारा पेशेवर क्षेत्र में अव्यक्ति सफलता प्राप्त की जा सकती।

इस प्रकार EC मानकों के साथ व्यक्ति संबंधी अन्य विशेषताओं को भी नियंत्रित करती जिससे पेशेवर व रोजमर्रा ज़िंदगी में लाभ प्राप्त।

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गांधीजी की सर्वोदय की अवधारणा के अनुसार 'सबसे निम्न स्तर पर स्थित व्यक्ति का कल्याण' सुनिश्चित करना। उपर्युक्त प्रश्न के इसी दृष्टिकोण को संदर्भित करती है।

जवाबदेही का पारंपरिक रूप

→ उच्च स्तर पर स्थित सरकार द्वारा जनता के कल्याण के लिए नीतियाँ बनाना व उन्हें निम्न स्तर लागू करना। इससे

गरीबों को
उचित लाभ
प्राप्त
नहीं

शासन में
जनता की
भागीदारी
नहीं

बौद्ध,
भूसाधार
शायद
समस्या।

वॉटरम अण नागरिक इस्किमोण

• शासन प्रशासन गतिविधियों में जनता को शामिल करना।

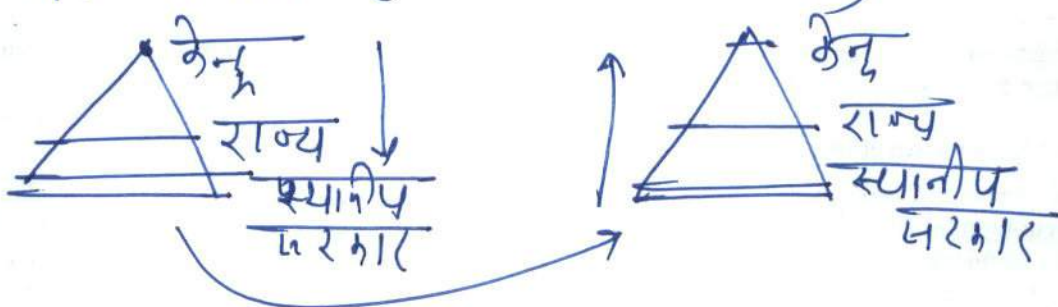
• नागरिक सूचना सनापति ई-गवर्नेंस
घोषणा पत्र अधिकार लेखा गावमेंस
अधिनिष्प वरीमा

इसके उपर्युक्त उपायों के द्वारा

गरीबों को समान की मुख्य धारा में लाया जा सकता है।

• विकेंद्रीकरण। मौडल की सज्जत बनाया

जा सकता है (पंचायती रत्नध्या)



समावेशी विकास व प्रशासन के लिए उपर्युक्त मॉडल आवश्यक हैं।

7.

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म में संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली में प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बहिष्कृत कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन से हैं?
- ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

उपर्युक्त प्रकरण उभरती प्रौद्योगिकी
(AI, बिग डेटा) के दुरुपयोग, नैतिक
चिंता व इनकी कार्य सीमाओं से
संबंधित है।

① प्रकरण में शामिल मुद्दे -

① उभरती प्रौद्योगिकी बनाम कानून, विनियम

↳ प्रौद्योगिकी के उपयोग संबंधित
डाटा नियामकीय कानून अभाव।

↳ मौजूदा कानून प्रौद्योगिकी दुरुपयोग से
निपटने में सक्षम नहीं।

② प्रौद्योगिकी बनाम निजता

↳ चेहरा पहचान प्रणाली से व्यक्ति
की निजता के अधिकार का उल्लंघन।

↳ गूगल अन्य क्लाइंट पर डेटा स्टोर

रहने से व्यक्तिगत हित प्रभाति।

१११) प्रायोगिकी बनाम नैतिक मूल्य -

↳ पारदर्शिता, ईमानदारी जैसे नैतिक मूल्यों का अनुपालन।

↳ करुणा, सहिष्णुता इत्यादि मूल्यों का अभाव।

११२) ६) नकारात्मक प्रभावों को कम करने के उपाय :-

i) राष्ट्रीय स्तर पर -

↳ सूचना प्रायोगिकी अधिनियम 2000 का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करना। (प्रायोगिकी

↳ कानून, अधिनियम में 'प्रायोगिकी'

संबंधित शब्दावली को उचित परिभाषित करना।

उम्मीदवारों को इस बाशिरे में नही लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ साइबर सुरक्षा ' पर विशेष ध्यान देना

- साइबर सेल गठित कर।
- साइबर क्राइम को डिनेशन सेल द्वारा

↳ आचरण नियमावली व ट्रेडिङ मूल्यों की समीक्षा निश्चित करना।

↳ प्रौद्योगिकी के प्रयोग में व्यवस्थित निष्पत्ति के अधिकार को बनाए रखना।

↳ उच्च कुशल मानव संसाधन विकास व R & D पर अधिक व्यय करना।

↳ डीप वेक, मालवेयर अन्य नकारात्मक प्रौद्योगिकी पर दंड व जुर्माना जातवान।

↳ प्रत्येक संगठन में प्रौद्योगिकी के प्रयोग के मानक निर्मित करना।

↳ जनता में जागरूकता, डिजिटल साक्षरता को बढ़ाना।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

- ↳ यूरोपीय संघ के 'भूलने के आघेव' माधिनियम का अनुपालन है। स्तर पर किया जाना।
- ↳ साइबर सुरक्षा सम्मेलन - बुडापेस्ट कंन्वेंशन को लागू करना।
- ↳ AI गवर्नेंस द्वारा इसके प्रयोग को लेकर वैश्व मानक विधायित करना।

उपर्युक्त प्रयासों द्वारा प्रौद्योगिकी के नकारात्मक प्रभावों से निपटा जा सकता है।

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटरन के रूप में काम कर रहे थे। इंटरनशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटरनशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटरन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वीस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटरन के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटरन ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
 - उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
 - उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसकी औचित्य सिद्ध कीजिए।
- (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
(Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

उपर्युक्त प्रकरण कार्यस्थल पर महिलाओं
द्वारा कुछ पुरुष सहकर्मियों के साथ कार्य
करने में होने वाली असहजता, असमंजस
उनकी सांकेतिक दुर्भावना को व्यक्त
करता है।

⑨ रीना द्वारा सामना की जा रही दुर्दशाएं:-

→ VP द्वारा ^{इस} अधिक महत्व देने पर
भारत का व असमंजस की स्थिति।

→ VP का व्यवहार स्पष्ट नहीं हो पा
रहा।

→ अन्य सहकर्मियों द्वारा रीना के साथ
पर की जानी वाली टिप्पणियां।

→ पूर्वाग्रहीक चर्चा पर विपुल होने पर
VP के साथ कार्य करने में डर।

→ प्रबंधक को शिनायत करने की इच्छा
क्योंकि VP द्वारा स्पष्ट कुछ गलत
नहीं केवल 'भूमित्यक्ति, सांकेतिक'
व्यवहार किया गया।

⑥ रीना के पास विकल्प -

① VP ^{के} ^{से} सीधे इस विषय में
बात कर सकती है।

गुण

• उत्पन्न संवाद से
सभी राकाओ का
समाधान हो जायेगा।

दोष

• VP द्वारा किया
गया व्यवहार स्पष्ट
नहीं। उत्पन्न बात
करना रीना को ही
गलत साबित कर
सकता है।

⑦ प्रबंधक को से बात करना -

गुण

• VP द्वारा किये जा

दोष

• VP द्वारा व्यवहार

स्टे व्यवहार सामने
रखा जा सकता
है।

• निडर होकर अपना
कार्य कर सकती।

स्पष्ट नहीं।

• उसे खिलाफ कोई
दोस सबूत नहीं।

• बिना दोष के दंड देने
भी अपराध है।

③ अपने सहकर्मियों से बात करे इस
विषय में -

गुण

• VP के व्यवहार का पता
लग सकता है।

• सहकर्मियों की क्षमता
विषयों से बच
सकती है।

दोष

• स्वयं निर्णय लेने
का मूल्य उमाहित।

• सहकर्मियों द्वारा
अन्यथा व्यवहार नहीं।

④ रीना द्वारा अपनाई जाने वाली करिवर्षी -

↳ हाइस प्रेसीडेंट द्वारा किये जा रहे
व्यवहार के लिए अतिरिक्त ध्यान देने

के विषय में स्वयं VP के पाठ्य जाकर
बात करना। और इस व्यवहार का
स्पष्ट करण पूरना।

भौचित्य -

- वाइस प्रेसिडेंट से प्रत्यक्ष बात करने
से सभी शंकाओं व असहजता का
समाधान होगा।
- अगर VP की नियत बुरी नहीं
होगी तो उस पर अनावश्यक कलंक से
बचा जा सकता है।
- रीना में स्तामिना व निष्ठा व
साहस की भावना की विकास होगा
जिससे वह पूर्ण कालिक पद पर बिना
किसी भय से कार्य कर सकेगी।

9.

आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

उपर्युक्त प्रकरण गांधी जी के 'साध्य साधन' पद्धति के सिद्धांत के विपरीत है। जिसमें परीक्षा में नकल (साधन भ्रष्टता) द्वारा बच्चों को सफल (साध्य पद्धति) किया जा रहा है।

उम्मीदवारों को इस छवि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(v) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे -

(i) कर्तव्यनिष्ठता - हमारा कर्तव्य पराधीनता -

- ↳ सरकार की समय, धन हानि को रोकना & और नुकल हटाने देना।
- ↳ अपने कर्तव्यों का पालन कर इस हृत्प पर कार्यवाही करना।

(ii) प्रौद्योगिकी - हमारा नैतिक मूल्य -

- ↳ प्रौद्योगिकी का अनुचित प्रयोग कर नैतिक मूल्यों का पतन।

- ↳ उचित विनियामकी अभाव।

(iii) ईमानदारी - छात्रों द्वारा नकल करना

- ↳ परीक्षे में, स्कूल प्रबंधन इत्यादि का इसमें शामिल होना।

(iv) सत्यनिष्ठता - अधिकारी के रूप में अपने उच्च नैतिक मूल्यों, कर्तव्यों का अनुपालन करना।

(v) पारदर्शिता - परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता का अभाव।

⑥ समस्या समाधान

- ↳ ग्राउंड लेवल पर जाकर स्थिति को समझना।
- ↳ सामूहिक नम्र के उचित कारणों की जांच करना।
- ↳ नम्र होने के दौरान (परीक्षा दौरान) परीक्षा केन्द्र का दौरा करना।
- ↳ सत्रण में शामिल दोषियों के विरुद्ध कार्यवाई।
- ↳ स्कूल पर्यवेक्षक द्वारा की जाने वाली अनारक्षक हड़ताल को रोकना।
- ↳ कर्मचारियों की व्यक्ति व्यवस्था करना।

⑦ दीर्घकालिक रणनीति -

- ↳ नम्र प्रकरण को पर लगाम

लगाने के लिए राष्ट्रीय नीति की आवश्यकता।

↳ उचित विनामकीय, कानूनी उपाय करना जिसके तहत नकल करने वाले गिरोहों के खिलाफ जुमाना बढ़ाए जाय।

↳ बच्चों, माता पिता को नकल करने के प्रभाव को बताना व शिक्षा में नैतिक मूल्यों का सामावेश करना।

↳ परीक्षा केन्द्र पर प्रौद्योगिकी द्वारा उचित निगरानी करना जैसे CCTV कैमरे।

↳ परीक्षा केन्द्र पर स्टाफ अन्य स्थानों के तैनात करना।

↳ परीक्षा प्रक्रिया से संबंधित उचित मानक व नियामक नीति निर्धारित करना।

उपपुस्तक रणनीति के द्वारा
परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाई
जा सकती है।

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू-धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल में 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए \$540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संप्रदाय की शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिवद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

७) प्रस्तुत प्रकरण में जैविक नुक़

१) पर्यावरण बनाम आर्थिक विकास

↳ समुद्री खनन से आर्थिक लाभ परन्तु
पारिस्थितिक तंत्र नुक़सान।

११) मानव हित व कल्याण

↳ आर्थिक विकास से मानवीय
हित अनिश्चित।

१११) ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता

↳ समुद्री ड्रिलिंग से होने वाले
पर्यावरणीय प्रभाव को सख्त आकलन
व नियमन।

① सैद्धांतिक मार्थिक विकास]-

उम्मीदवारों को
इस ब्लॉक में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

महात्मा गांधी के अनुसार
प्रकृति में किसी व्यक्ति की जरूरत
को पूरी करने का सामर्थ्य है परन्तु
किसी के लालच को पूरा करने का
नहीं।

इसे ध्यान में रखते हुए
निम्न रणनीति द्वारा महासागरीय
संधारण व राष्ट्रीय हित प्राप्त
किये जा सकते हैं—

→ डिजिटिंग से पूर्व उचित पर्यावरणीय
प्रभाव आकलन सुनिश्चित करना।

→ अधिक संवेदनशील क्षेत्रों के
लिए 'आवासीय समिति' सिफारिश

अनुसार 'महासागरों में

पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र
चिह्नित करना।

→ ध्वनन के लिए नियामकीय कानून
व विनियम का अनुपालन सुनिश्चित
करना।

→ समुद्री विरासत के संरक्षण के
लिए उचित प्रयास करना।
उदा.: मेरीन कल्चर संरक्षण।

→ समुद्री संसाधनों को उचित
व विवैकपूर्ण वितरण सुनिश्चित
करना।

→ तटवर्ती राज्यों को समुद्री पारिस्थितिकी
तंत्र संरक्षण के लिए अधिक
शक्ति दी जाना।

→ ध्वनन से होने वाली क्षति
के लिए मुआवजा निश्चित करना।

→ CAMPA, NGO, NCT इत्यादि
संस्थाओं को प्रभावी बनाना।

उपयुक्त प्रयासों द्वारा अतृप्त
विकास राज्य प्राप्त किया जा
सकता।

श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिष्ठित एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहाँ 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं (पूर्वाग्रह)। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और निर्माण नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

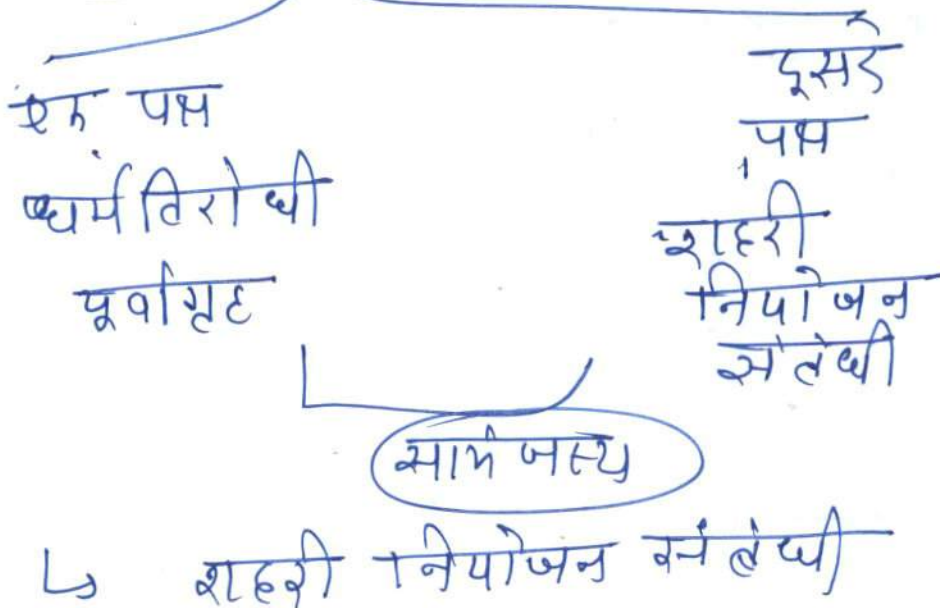
In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
 - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
 - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस इतिहास में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

क) (जिला मजिस्ट्रेट रूप में कार्य करें)।-



जीति का अनुपालन सुनिश्चित करना।

→ द्वैधिक समस्या को हल करने की
उचित व्यवस्था करना।

→ धार्मिक पूर्वाग्रहों को दूर करने
का प्रयास करना।

→ राष्ट्रीय केन्द्र में भावार्थियों को
होने वाली समस्या को दूर
करना।

(6) गुण-प दोष -

(7) गुण खेता निवासी

(8) दोष

↳ धार्मिक स्थल का
निर्माण होगा।

↳ एक वर्ग में लिखित।

↳ पर्यटन केन्द्र

↳ धार्मिक

संस्कृतिक
बोली।

↳ निपटों की
अवहेलना।

6) रोक लगाना

गुण

- धार्मिक संप्रदायवाद को कम दिया जा सकता।
- शहरी द्रोणिक, नियोजन समस्या को रोक जा सकता।

दोष

- धर्मान्तराप्रेमता अधिकार विकृत।
- एक वर्ग समुदाय हीत उभावित

7) उपाय -

- पूजा स्थलों के निर्माण संबंधित नियम लागू करके करना।
- विशेष धर्म के हितों को ध्यान में न रखना।
- शहरी नियोजन पर उचित ध्यान देना।

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके दाना आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से सन्तुष्ट हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक झुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- What are the ethical issues in the above situation?
- What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
- What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस क्राशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अ) नैतिक मुद्दे -

१) सहजसिद्ध हित बनाम रिजी हित।

२) करुणा बनाम सत्यनिष्ठा।

३) रुढ़िवादिता बनाम भायुसिद्धि विचार।

ब) विकल्प -

१) शादी करता देना बेटी की पंनद के मुताबिक -

सुण

दीव

बेटी की इच्छा पूरी

साधासिद्धि देना।

② शादी से इंकार कर देना

गुण

दोष

आनापिठ दवाव,
दुवि की बनाया
रखा जा सकता।

बेटी की
स्वतंत्रता,
बढ़ा देगा।

③ शादी के लिए नेजी संबन्धी
कम मितों को बुलाना

गुण

दोष

शादी शांति से
की जा सकती

• बेटी की
इच्छा पूरी
नहीं हो
सकती

उम्मीदवारों को
इस हार्डिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

उम्मीदवारों को
इस इलाक़े में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

AL